



॥ अत्रिचमोयसिंहने कृतस्योदित (आधर्ष) समकखड्गवाये राखमपुनमूलने ॥ यत्रगवच्छाव

[illegible]

भाद्ययार्गनामानं लोकनार्थनमामि ॥ ० ॥ वृद्धमलुल ॥ ॐ वैश्वनाथवज्रयुधैयुगिष्ठस्वारा ॥ म
 ध्य ॥ ॐ श्रार्यश्रार्याय ॥ ६ ॥ ॐ श्रार्यनलसंवाय ॥ ख ॥ ॐ श्रार्यश्रमिगाराय ॥ थं ॥ ॐ श्रार्यः
 श्रमाद्यसिद्धाय ॥ जव ॥ ॐ श्रार्यलाचना
 लुलाय ॥ ज थं ॥ ॐ श्रार्यगालाय ॥ ज
 वसीसाननीनं धारंगरीनवनसकजगु
 कलूकदलकासलाशदिवर्जं नवदगाश्रसिंद्युमिमसिन्नसासर्वकालीनमामि ॥ ० ॥ धनरवीकन ॥ भा
 दमवनामा ॥ जियनिमनासद्रिथहन ॥ नवदगिगाल्यर्थ ॥ थधर्मसलयवालयवया ॥ ॐ मंदिवसमूया

अथ सविन्दुवर्कः

五

५ वंशक विमसं लाह ॥२

काय॥ स्वका ॥ ॐ शार्ङ्गनाथगणेशकाय॥ स्ववर्ध ॥ ॐ शार्ङ्गललितविरुनाय॥ जवर्ध ॥ ॐ शार्ङ्ग
 र्यसुवर्धुयुक्तसारुनाय॥ जवका ॥ र्यमुनि ॥ यासर्वदुःखानयत्ययसर्म सानेपिणभवका मायाः
 गस्थेभववाधिसत्त्वगजिनवृद्धस्यभान
 दन ॥ जवर्धगिना ॥ धधर्मसारवसमस्की ॥ नमः ॥ सादभननामा ॥ जियनिसनामद्विध
 व ॥ यावदावाधिनियुताना ॥ गभादा ॥ भव ॥ मदिवसमूयादाय ॥ धगुदिदिवसलादा
 यनिधर्मसकसनगच्छादन ॥ विनागनामर्ग ॥ नागधर्म भादादिन गालगाडरुिमथायस ॥ ० ॥
 सधर्मउत्तम ॥ ॐ शार्ङ्गावलाकिनभवायवज्रयुष्मिन्निवृत्तादा ॥ मध्य ॥ ॐ शार्ङ्गमेवय ॥ ६ ॥ ॐ शार्ङ्ग

X वैजयन्ति मल स्वाहा ॥

३

गगनगङ्गाय ५॥ स्व ॥ ॐ श्रार्यसमन्त रुडाय ५॥ थं ॥ ॐ श्रार्यवज्रयानय ५॥ ड ॥ ॐ श्रार्यमैश्वर्याय ५॥
 स्व ॥ ॐ श्रार्यसर्वनिवर्तनविष्कसितं ५॥ स्व थं ॥ ॐ श्रार्यकिमिगङ्गाय ५॥ ड थं ॥ ॐ श्रार्यस्वगङ्गाय ५॥
 ॥ ड का ॥ ॥ यं मुनि ॥ वृद्धनमामिगङ्गाय ॥ यद्ययालि मैश्वर्यक गगनगङ्गासमन्त रुडं यकाधि
 यं यवदिगीघटमैश्वर्यं विष्कसितं कि ॥ ॐ श्रार्यमैश्वर्याय ॥ ॐ श्रार्यमैश्वर्याय ॥ ॐ श्रार्यमैश्वर्याय ॥
 नामद्रिथठन ॥ नृपदगिगाययं ॥ थय ॥ ॐ श्रार्यमैश्वर्याय ॥ ॐ श्रार्यमैश्वर्याय ॥ ॐ श्रार्यमैश्वर्याय ॥
 लाघव थदिन कूड ॥ जावदा ॥ ॐ श्रार्यमैश्वर्याय ॥ ॐ श्रार्यमैश्वर्याय ॥ ॐ श्रार्यमैश्वर्याय ॥
 लिंकवाधिसत्त्व ॥ नथगनदाका ॥ सयगनर्गगङ्गामि ॥ जयनिसैवस्व गलनच्छठन ॥ गनानिमयं ॥

३

गगनगङ्गायाडकिमगनससक ॥ ॐ ॥ समन्तादूर्ध्वमा ॥ एकचिह्नं जयनिसनामद्रिथठन ॥ दगदि (श्रोक
 धाउंसनियमिगा ॥ दगदिगलाकधाउस विष्ककटा ॥ वृद्धारगवका ॥ नथगनदाका ॥ वाधिसत्त्व ॥ वा
 धिसत्त्वदाका ॥ श्रवाथो ॥ गुबुलाउ ॥ या ॥ ॐ श्रार्यमैश्वर्याय ॥ ॐ श्रार्यमैश्वर्याय ॥ ॐ श्रार्यमैश्वर्याय ॥
 नामद्रिथठन ॥ यन् ॥ ॐ श्रार्यमैश्वर्याय ॥ ॐ श्रार्यमैश्वर्याय ॥ ॐ श्रार्यमैश्वर्याय ॥
 ॥ शविदनयाहायाये वचननयाहाया ॥ ॐ श्रार्यमैश्वर्याय ॥ ॐ श्रार्यमैश्वर्याय ॥ ॐ श्रार्यमैश्वर्याय ॥
 वाधिसत्त्व आदिन ॥ मागायिमत्रो ॥ मास ववृ प्रगदन्त्यानसंगन्य ॥ नायसावकाव ॥ ॐ श्रार्यमैश्वर्याय ॥
 रुगवान्कवयू ॥ थजत्तसयाहायाये ॥ ॐ श्रार्यमैश्वर्याय ॥ ॐ श्रार्यमैश्वर्याय ॥ ॐ श्रार्यमैश्वर्याय ॥

३

कर्मद्वर्ग ॥ धर्मया हाथशत्रु ॥ काचिर्नवा रुधु ॥ गविदनया हाथशत्रु ॥ नत्सर्वमकथायिउचित्वा ॥
 धर्मसमर्थाय विद्या हाव ॥ गलमूनकाव ॥ ^{उल्लापयकाय} उल्लापित्वा ॥ सर्ववृद्धवाधिसत्त्वा ॥ समस्तगथागनवाधि
 सत्त्वादिन ॥ नामाचार्यस्थानिक ॥ गुनु ॥ शान्तयाधा आदिन ॥ अग्रयावचया ॥ रुधुननया
 व ॥ यवचययुनिदभाया ॥ शिनकीयसु ॥ रुयाहन ॥ जाननसमव ॥ सस्यमसस्ययाहायाः
 य ॥ युनिद्वयादयामि ॥ सनकाकनजय ॥ नीस्यधनगायार्थभावननग ॥ ॥ समन्वाह
 नरुदन ॥ शयोअरुनी ॥ एकमनयाहन ॥ शशिष्टास्रद्वकशकलीग ॥ धशत्रुसा ॥ धडयावधधर्म
 यावजीव ॥ जिवनवहनयगा ॥ याधनियार्ग ॥ स्यायस्यायमगव ॥ युनिविनगा ॥ मयगन ॥

४

निरुनदधु ॥ दधुआदिनजानमगव ॥ निरुनगफा ॥ गतुआदिनयदानयायमगव ॥ लर्जिनदया
 वन ॥ समस्तयालियाक दयादमान ॥ सर्वसत्त्व ॥ समस्तसत्त्व ॥ आदिन ॥ यागिरुगम ॥ यागिज
 नसजिवनवहनयका ॥ अरुसकन ॥ यिथीलिकामूयादाय ॥ कनजायनयू यिमूनि
 सीयानिआदिन ॥ धनिया ॥ जिवकार्यम ॥ यनग ॥ उर्ववाद ॥ धनयुकाव ॥ एकमनयाह
 न ॥ मर्वलीमूयादाय ॥ धगुलिदि ॥ वगलाहाव ॥ यावचवागीगमिणी ॥ धनूयावादि
 वहाव ॥ यावगसूयोदयानन ॥ कनसया सूर्यना मनुवनलहा ॥ याधनियार्गयुदाय ॥ स्यायस्या
 य ॥ याधनियार्गान् ॥ विरुनासावथ ॥ युनिविनमालि ॥ जयनिमयगन ॥ निरुनदधु ॥ दधुजानजय

यनिमयगव ॥ निरुतगस्मा ॥ गस्तु आदिनयदायय जयनिमयगव ॥ लज्जि नादयावत्सु ॥ सर्व
 सत्वषु ॥ समस्त सत्वर्जनयनि आदिन ॥ यालिस्तु भव ॥ जिवाज्यु जिवनवहनयका ॥ अनुक
 यिपीलिकामूयादाय ॥ कजनजायल यका यिमूनि स्यानि आदिन धनितास्यायमनग
 न ॥ नर्वभवा ॥ नकमनयाहन निश्चयन ॥ युधर्मेनीलगने ॥ रुवनिस्थिया ॥ नर्वा माया मदनी
 ॥ अभा ॥ धडाधध धर्मदने ॥ शिष्टा मनुगिष्ट ॥ शिष्टा द्विर्धन ॥ अनुविधायन ॥ द्वि
 र्ध विधानयाय ॥ अनुक लामि ॥ द्विर्धन कर्म याय ॥ ० ॥ यूनवयव ॥ रुमाह ॥ समन्वाहन ॥ नक
 मनयाहन ॥ रुवक ॥ शास्त्रि धर्मनिसकस्य ॥ शर्यो अर्ह नायावजीवे ॥ धडाधध धर्मस जीव

नवहनयभाल ॥ अदरुत दाने ॥ भवतमननक विया धनकायमनव ॥ अनुकचर्य ॥ अनावाविश्यमन
 व ॥ मृषावाद ॥ असत्यवज्ञायमनव ॥ सुनाभेय मययमादरुतने ॥ ध आदिन कायकजाय जयनीम
 यगव ॥ नृस्यगानवादिन ॥ यारवत भदाय वाजनधाय ॥ माला गन्धनूयन ॥ त्वाकस्वानुयन
 भाकाययन ॥ वधुकरु वल ॥ धाना यमा लनगीय ॥ धाननडवैगयन मदासयन ॥ धनय त्वा
 ना धीदान यलकी नायाव आगनभाधान ॥ अकानशाजनयदाय ॥ सुयल्वि अष्टमशनदानतम
 गव ॥ धर्मलिनधाय ॥ धजयनिमयगव ॥ अकानशाजना ॥ सूर्य अष्टमशनदान यावनयार्थ जिय
 ती ॥ यमिविनता ॥ स्यिगाननलग ॥ ० ॥ अहमवार्ह ॥ जयनिस्वी नकमनयाहाव ॥ अनुकनामा ॥ ५

३

यनिसनामद्विधन ॥ ॐ मीवर्षी मूयादाय ॥ ध्वगुठिदिवसलादाव ॥ यावन् नारीगामीनि ॥ धनूयावा
निर्वदाव ॥ यागसुथादयान्न ॥ कनसयासूर्यत्वं मनुवन्दहा ॥ अदरुदात ॥ मवृथा वन काक सु
क ॥ अवमवय ॥ जूनावालिशय ॥ मृः ॥ स्वायार्द ॥ असह्यवहाय ॥ सूनामैत्रय मययुमोदस्त
नी ॥ ध्वगाहन कायकी आय ॥ ॥ नृत्य गान वादिन माला ॥ व्यावन मदान वजनथा ॥ ६
यत्वाकस्तान्दुय ॥ गंधनूययल ॥ नः ॥ साकान लयनयाहन आय ॥ वलुक रुवण ॥ धागाः
यनालनगीया ॥ धावन उच्च गयन महागयन ॥ स्वाका ईदालयनीकी गाथाव आसन सधान ॥ अकाः
लशाहनयदाय ॥ सूर्यत्वं अक्षमशनदाव यावन यायमयव ॥ अकाव शाजनान् ॥ सूर्यत्वं अक्षमशन

दावयावनयायशनसर्पा ॥ ध्वनिविनमानि ॥ ध्वगजयनीस्थीभाउमत्रग ॥ अननार्द ॥ ध्वगजयनिस्थी
अक्षमर्णागन ॥ आता अगल ॥ कर्षा माया मर्दनी गिथी ॥ ध्वगन ध्वडयावधधमो जयनिस्थी गिका ॥ म
नूगिथ ॥ क्रीर्धसन ॥ अनूविधियन ॥ द्वि ॥ ध्वनिविनमानि ॥ अनूकनामि ॥ द्विर्धकर्मयागग ॥ ०
ध्वनलिअर्घविय ॥ उंसन २ गिनि २ कन ॥ १ यव २ रुव २ हाहाही २ ई ई ॥ उंकावव कवगधन २
ध्वनि २ ध्वन २ गन २ मन २ वन २ नगिः ॥ सरुसयमिमलिगगजीन कन २ गय २ रुगवन् साः
मादित्य यमवन्न कवल वधुधनद मविधवगलाय विनयनयाय अर्घयमिद्ववदाय स्वाहा ॥ ०
वनकाम ॥ सन २ रुल २ रुगवन्धन २ समयमनुस्मन ई २ रुट २ स्वाहा ॥ ० ॥ ध्वनसि नियवृक्षान

स्नाननयक ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥** नमो आर्यावशा किं भगवाय वाधिसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकायुलि
 काय नयथा ॥ **ॐ अभायगाल महागाल शुद्ध सत्त्वजन २ संजन २ यमविरुधिर्नकुजधन समकावला**
 किं भगवाय **ॐ आ १ ६ स्वाहा ॥ यं मुनि ॥** वलिवियक ॥ **ॐ अभाययागदी १ सर्वदूख समयमु**
 डायरुजक १ दानयन धर्म (भाधिसमूह) कानी भानियुष्टिर्नकुर्वेनुस्वस्ति स्वाहा ॥ **यं मुनि ॥**
 थनस्नाननयक ॥ भगवत् कल विवक्त ॥ **अ** नतार्क ॥ **धनन च्छगक गिस्वा ॥ गाल सविल समादान**
 ॥ **रिनकी गवाधर्म ॥ अनागत धनि ॥ हव वं गन धगन सीनया ॥ गधगनारुधयमर्ह ॥ आव वयिव नः**
 धगन सीलाया ॥ **सम्यक् वद ॥ गधगन वाधिसत्त्व आदिन ॥ विशावनल संयत्र ॥ सुगमालाकविदनु**

जिग्याधिवान

॥ **स्वर्गमस्य यागालया ॥ पूर्वभव ॥ युववदद्य ॥ सिद्धयुवययाहन ॥ मानथि सास्त्रा दवानीव ॥**
 सास्त्रनमि सिद्ध सासु गवर्क दवलान दाका ॥ **युद्धारुगवान् गधगन दाकासर्त ॥ ६०० मूयावध ॥ ध**
 अहमिथावधधर्म ॥ समादान ॥ दाहान ॥ **गाल सविल समादान ॥ गिन सविलया हवाह धर्म**
 लायिव ॥ **विकाली कालाय ॥ विरुया आ** लीकालरुयुव ॥ **विरुयविल्ला वाथ ॥ च्छगक लगध**
 विठरिनिवश ॥ **थागसंसावाय ॥ नाना** यागसी च्छगक गयिव ॥ **सर्वसत्त्वानी ॥ समस्त सत्त्वजन**
 दाकाव ॥ **मूलायनाय ॥ अनुरुनवायुव ॥ वृद्धत्वया कथ ॥ गधगन सक सीयाकवायुव च्छकनसी रुना**
 ॥ ० ॥ **विमर्जन ॥ ६०० मिडयावधवन विधि समाका ॥ ६०० ॥ ३३० ॥ अरु ॥ मंगली ॥ ६०० ॥**

३

६ नित

६

पत्रित्वे २

ॐ नमः श्री पद्मनृत्त्यंश्वराय ३ ॥ रस्यवक्त्रा लुखलुं गदवविगजिरु लानकाभनृगं गजाम्बुदिक्रव
वाळयरु गिनगगर्लं गच्छ काकाशंशं मरु (ओ लब्ध वन्दान तत्र सलित सनित्सा गर्वना पु
वैवा रुसाहृत्तयया नै नवउरगव गयन्नृत्त्यंश्वराय ३ ॥ अविच ॥ यासासंसावच
क विनचयतिमनः सन्निधागन्मरु गोः साधियोस्यसादादिशुलुनित्तुर्वस्वामिना
निश्चयैव गच्छयत्यात्मवेद्यं समुदय तिस्र्यै कल्याणात्ममूर्कं कुर्यात्कुर्याच्चियमंशि
नसिचविनयै सद्गुरुं सर्वकार्त्त ॥ २ ॥ अविच ॥ यथाश्चेत्तुजकाटिकाटिवितट यद्वबूनिस्थात्स
दे यथाकर्मभूयानर्त्तपटगया (शलीरि विद्धिया। क्षामिष्मनलवायवायनकसि किन्नस्यवि